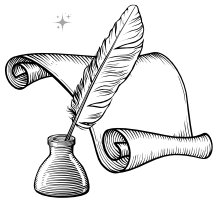

Poems

Poet: *BK Mukesh*

जीवन की सफलता

परिस्थितियाँ आती हमें, कुछ ना कुछ सिखाने
विघ्नों पर जीत दिलाकर, अनुभवी मूर्त बनाने

सफलता का आधार, असफलता ही कहलाती
सफलता का स्वाद हमें, असफलता ही चखाती

सिखाने का अवसर, परिस्थितियाँ लेकर आती
किसी गुण का विकास, हमारे अन्दर कर जाती

धन की क्षति होने पर, मन में आए यही विचार
एक ना एक दिन मिट जाएगा, ये सारा संसार

नजरों से जो दिखता हमें, वो सबकुछ होगा नष्ट
यही अभ्यास करें तो, अन्त समय ना होगा कष्ट

यदि देह का कोई सम्बन्धी, हमें छोड़कर जाए
नष्टोमोहा बनने का इरादा, बलवान होता जाए

तुम्हें ज्ञान की धारणा, हर परिस्थिति कराएगी
अनुभवी बनाकर ऊपर की, पंक्ति में ले जाएगी

राह में आने वाले पत्थर से, दीवार नहीं बनाना
उन्नति का पुल रचकर, विघ्नों से पार हो जाना

परिस्थिति करवाती, अन्तिम परीक्षा की तैयारी
पास करें हर परीक्षा को, ऐसी स्थिति हो हमारी

हिम्मत और निश्चय को, अपना औजार बनाओ
विघ्नजीत बनकर तुम, सफलतामूर्त कहलाओ

संघर्ष भरे जीवन से तुम, बिल्कुल ना घबराना
विजेता बनने के लिए, खुद को मजबूत बनाना

जितनी परिस्थितियां हमारे, जीवन में आएगी
मंजिल की तरफ हमें, तीव्र गति से ले जाएगी

बाधाओं के आगे ना दिखाना, कोई भी मजबूरी
उन्नति के लिए बाधाओं का, आना बहुत जरूरी

स्वयं को बहादुर समझकर, विघ्नों से टकराओ
सभी विघ्नों को मिटाते हुए, आगे बढ़ते जाओ

अपना जीवन सबके लिए, प्रेरणास्रोत बनाओ
सबको आगे बढ़ाते हुए, जीवन सफल बनाओ ||

" ॐ शांति "

Source: shivbabas.org/poems **BK Google**: www.bkgoogle.org